THE ART OF LIVING

श्री श्री गुरुकुलम

- वैदिक परंपरा को संरक्षित करने के लिए गुरुदेव द्वारा सन् 1981 में स्थापित किया गया।
- यह सुनिश्चित करता है कि वैदिक ज्ञान पीढ़ियों तक स्थानांतरित हो और मानवता के लिए सुलभ बना रहे।
- अब इस को 'वेद आगम संस्कृत महापाठशाला' के रूप में विस्तार दिया गया है।

उद्देश्य

- वैदिक विद्वानों को वेद-शास्त्रों में पारंगत करना।
- वैदिक ज्ञान के प्रभावी प्रचार-प्रसार में विशेषज्ञता विकसित करना।
- वैदिक ज्ञान के माध्यम से जीवन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए जनता का मार्गदर्शन करना।

शिक्षा बोर्ड

- बेंगलुरु गुरुकुल – कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय से पंजीकृत।
- महार्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (उज्जैन) से पंजीकृत।
- उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद जैसे राज्य बोर्डों से पंजीकृत।

उपलब्धियाँ

- परीक्षाओं में उच्च स्थान।
- वैदिक अध्ययन में 105 छात्र स्नातक।
- आगम अध्ययन में 313 छात्र स्नातक।
- कुछ छात्र पीएचडी जैसी उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

समग्र शिक्षा

- वर्तमान में, भारत में 12 गुरुकुल हैं, जिनमें 500 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। 240 छात्र आगम शाखा में हैं।
- चार वेदों की नौ शाखाओं में
  - ऋग्वेद (शाकल)
  - कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय)
  - शुक्ल यजुर्वेद (काण्व, मध्यंदिन)
  - सामवेद (कौथुम, जैमिनीय, राणायनीय)
  - अथर्ववेद (पिप्पलाद, शौनक)।

- विशेष रूप से बेंगलुरु गुरुकुल में,आगम शाखा शैव आगम और पञ्चरात्र आगम की शिक्षा देती है।
- वैदिक अध्ययन के साथ छात्रों को अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, और कंप्यूटर संचालन भी सिखाया जाता है।
- योग, मार्शल आर्ट, संगीत, और बागवानी जैसे विषय के बारे में विशेषज्ञों की उपलब्धता के आधार पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

संपूर्ण भारत देश में "श्री श्री गुरुकुल"

- बेंगलुरु, कर्नाटक
- बोधगया, बिहार
- चंबा, हिमाचल प्रदेश
- धुबरी, असम
- फरुखाबाद, उत्तर प्रदेश
- ऋषिकेश, उत्तराखंड
- जबलपुर, मध्य प्रदेश
- ओंकारेश्वर, मध्य प्रदेश
- पुणे, महाराष्ट्र
- नागपुर, महाराष्ट्र
- कटक, ओडिशा
- वासद, गुजरात

"आध्यात्मिक शिक्षा व्यक्ति को एक अत्यंत करुणामय हृदय प्रदान करती है।
ऐसी आध्यात्मिक शिक्षा की आवश्यकता है, केवल किसी भी प्रकार की शिक्षा की नहीं।"

गुरुदेव के शब्दों में

अधिक जानकारी के लिए